→ अपूर्ण भूतकाल = क्रिया का वह रूप जिससे पता चले की कार्य बीते समय मे हो रहा किन्तु उसकी समाप्ति के विषय का बोध न हो उसे - अपूर्ण भूतकाल कहते है। पहचान 'रहा था रही थी रहे थे,

→ राकेश विद्यालय जा रहा था।

→ आशा कहानी सुना रही थी।

→ बच्चे पढ़कर घर जा रहे थे।

संदिग्ध भूतकाल :- क्रिया का वह रूप जिससे कार्य तो भूतकाल में हो रहा है, परन्तु इस बात संदेह प्रकट हो कि कार्य हुआ है, या नहीं।

पहचान = या होगा ई होगी ए होगे।

→ राकेश विद्यालय गया होगा।
- प्रिया ने कहानी सुनाई होगी।
- बच्चे पढ़कर घर गए होंगे।

हेतु हेतुमद् भूतकाल =

क्रिया का वह रूप जिससे भूतकाल में होने वाली क्रिया का होना दूसरी क्रिया के होने पर निर्भर है।

पहचान = ता तो -- ती ते - —

→ यदि रविना परिश्रम करती तो अवश्य सफल हो जाती
→ यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती।
→ यदि तु आ जाते तो मैं घर चला जाता।

भविष्यत् काल

- क्रिया का वह रूप जिससे कार्य आने वाले समय में होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहा जाता है।
- भविष्यत् काल के तीन भेद।